गज़ल

जादू सा मुझ पे हो गया इक तेरे प्यार का
देखा है जब से जलवा नूरी दीदार का

1- निज चरणों में बिठाना रस प्रेम का पिलाना
वानी मधुर सुनाना कुलजम के सार का

2- इक बार फिर दिखा दे दिल की लगी बुझा दे
प्याला तू वो पिला दे इश्के प्यार का

3- जिस पे मेहर तू कर दे प्यार से झोली भर दे
अंगना को सुख दिया अंगीकार का

4- अंगना हूं मैं तेरी सुन लो पुकार मेरी
अर्श अजीम में उठा दो जलवा दिखा दो नूर का

Nijanand App